भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.4029

दिनांक 25 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

चाय उद्योग

4029. श्री जिया उर रहमान:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारत का चाय उद्योग चुनौतियों का सामना कर रहा है जो वर्ष 2002-07 के अंधकारमय दौर की याद दिलाता है और इसमें आत्मनिरीक्षण और लचीलापन अपनाने की आवश्यकता है; और

(ख) यदि हां, तो स्थिर कीमतों, अत्यधिक आपूर्ति, मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ता अंतर और सस्ती चाय के लिए "कीमतों में गिरावट के दौर" को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले प्रस्तावित उपचारात्मक कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): वर्तमान में, भारत चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसका विश्व चाय उत्पादन और निर्यात में क्रमशः 21% और 12% हिस्सेदारी है। वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक भारतीय चाय उत्पादन में 1.39% सीएजीआर के साथ वृद्धि हुई है, जो 1382.03 मिलियन किलोग्राम तक पहुँच गया है और इसी अवधि में भारतीय चाय निर्यात 13.95% सीएजीआर के साथ 260.71 मिलियन किलोग्राम तक पहुँच गया है। इसके अतिरिक्त अप्रैल-जनवरी 2024-25 की अवधि के दौरान चाय का अखिल भारत औसत नीलामी मूल्य 203.15 रुपये प्रति किलोग्राम था, जो 2023-24 की समान अवधि में अखिल भारत औसत नीलामी मूल्यों की तुलना में 20.39% की बढ़ोत्तरी है।

चाय क्षेत्र के लाभ के लिए, भारत सरकार चाय बोर्ड के माध्यम से 'चाय विकास और संवर्धन योजना' क्रियान्वित कर रही है जिसका उद्देश्य चाय के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना, बाजार में आने वाली चाय की गुणवत्ता में सुधार करना, निर्यात को बढ़ाना, छोटे चाय उत्पादकों को स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठन (एसएचजी/एफपीओ) बनाने में एकजुट करना ताकि वे मूल्य श्रृंखला में ऊपर की ओर बढ़ सकें, एसएचजी/एफपीओ द्वारा लघु चाय फैक्ट्रियों की स्थापना के लिए सहयोग प्रदान करना ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को संचालित करना है।

****